पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VI
Hindi
Specimen copy
Year- 2021-22
Month-June,July

अनुक्रमणिका

क्रम नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	जून	➢ **पाठ -3 = नादान दोस्त** ➢ व्याकरण = वचन ➢ लेखन = अनुच्छेद ➢ **कविता -4= चाँद से थोड़ी सी गप्पें** ➢ व्याकरण = काल ➢ लेखन = संवाद लेखन ➢ बाल रामायण =पाठ -3,4
2	जुलाई	➢ **पाठ- 5 अक्षरों का महत्व** ➢ व्याकरण- वाक्य ➢ लेखन = सूचना ➢ **पाठ = 6 पार नजर के** ➢ व्याकरण = सर्वनाम ➢ लेखन = कहानी लेखन ➢ बाल रामायण =पाठ-5

पाठ -3 नादान दोस्त
(लेखक – मुंशी प्रेमचंद)

➢ पाठ का सार

'नादान दोस्त' कहानी दो भाई-बहन पर आधारित कहानी है। इस कहानी को प्रेमचंद जी ने लिखा है। केशव और श्यामा दो भाई-बहन हैं। उनके घर के कार्निस के ऊपर चिड़िया ने अंडे दिए थे। वे चिड़िया के अंडों की सुरक्षा हेतु विभिन्न उपाय करते हैं। परन्तु उनके उपाय निरर्थक हो जाते हैं। चिड़िया अपने अंडे स्वयं ही तोड़ देती है। दोनों को बहुत पछतावा होता है। परन्तु बहुत देर हो चुकी होती है। वे दोनों अंडों की सुरक्षा के लिए अच्छे कार्य ही करते हैं। परन्तु ज्ञान और अनुभव की कमी के कारण वे उनकी बर्बादी का कारण बन बैठते हैं। प्रेमचंद ने इसीलिए उन दोनों को नादान दोस्त कहा है। यह कहानी हमें सीख देती है कि किसी भी कार्य को करने से पहले पूरी तरह से सुनिश्चित कर लें कि जो आप कर रहे हैं, वह सही है या नहीं। केशव और श्यामा ने चिड़िया के बच्चों के लिए जो भी किया था यदि वे अपने माता-पिता से एक बार पूछ लेते, तो शायद वे उन बच्चों को अपने सामने देख पाते।

➢ नए शब्द

1- तसल्ली
2- जिज्ञासा
3- कार्निस
4- टहनी
5- सिटकनी
6- टहनी
7- यकायक
8- प्रस्ताव

➢ शब्दार्थ

1- कार्निस = दीवार के ऊपर का आगे बढ़ा हुआ भाग
2- सुध = याद ,होश
3- तसल्ली = दिलासा
4- पेचीदा = मुश्किल
5-जिज्ञासा = जानने की इच्छा
6- अधीर = बैचेन
7- प्रस्ताव = सुझाव
8- चाव = शौक
9- उधेड़बुन = सोच -विचारकर
10- यकायक = एकदम , सहसा
11- उजला = साफ़
12- थामना = सहारा देना
13- जोग = प्रयास , कोशिश
14- भीगी बिल्ली बनना = डरा हुआ

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे?

(i) छत पर
(ii) कार्निस पर
(iii) खिड़की पर
(iv) पेड़ पर

(ख) 'नादान दोस्त' पाठ के लेखक कौन हैं?

(i) कृष्णा सोबती
(ii) प्रेमचंद
(iii) विनय महाजन
(iv) विष्णु प्रभाकर

(ग) श्यामा ने माँ को यह क्यों नहीं बताया कि दरवाज़ा केशव ने खोला था?

(i) क्योंकि इससे केशव नाराज़ हो जाता
(ii) यह सुनकर माँ पीट देती
(iii) यह सुनकर माँ दोनों की पिटाई करती
(iv) इनमें से कोई नहीं।

(घ) बच्चों के मन में क्या जिज्ञासा थी?

(i) अंडों को देखने की
(ii) चिड़िया को उड़ाने की
(iii) चिड़िया के लिए सभी प्रबंध करने की
(iv) चिड़िया के अंडों से बच्चे बनने की प्रक्रिया देखने की

(ङ) केशव और श्यामा ने चिड़ियों के खाने के लिए क्या बिखेरा?

(i) गेहूँ
(ii) मक्का
(iii) चावल
(iv) जौ

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 चिड़िया ने कितने अंडे दिए थे?
उत्तर - चिड़िया ने तीन अंडे दिए थे।
प्रश्न-2 चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे?
उत्तर - चिड़िया ने अंडे कार्निस पर दिए थे।
प्रश्न-3 यकायक श्यामा की नींद कब खुली?
उत्तर - यकायक श्यामा की नींद चार बजे खुली।
प्रश्न-4 टूटे अंडों से क्या चीज़ बाहर निकल आई थी?
उत्तर - टूटे अंडों से उजला उजला पानी बाहर निकल आई थी।
प्रश्न-5 केशव अंडों को देखने के लिए कार्निस तक कैसे पहुँचा था?
उत्तर - केशव अंडों देखने के लिए कार्निस तक स्टूल की मदद से पहुँचा था।
प्रश्न-6 माँ ने बच्चों को बाहर निकलने से क्यों मना किया था?
उत्तर - माँ ने बच्चों को बाहर धूप के कारण निकलने से मना किया था।
प्रश्न-7 श्यामा भाई से बार - बार क्या आग्रह कर रही थी?
उत्तर - श्यामा भाई से बार - बार अंडे दिखाने के लिए आग्रह कर रही थी।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 इस कहानी का शीर्षक नादान दोस्त क्यों रखा गया है?
उत्तर - इस कहानी का शीर्षक नादान दोस्त इसलिए रखा गया है क्योंकि बच्चे चिड़िया और अंडों के प्रति अपनी दोस्त निभा रहे थे परन्तु नादानी में वे अंडों की हिफ़ाजत करने के जोग में उनका नुकसान कर देते हैं।
प्रश्न-2 केशव श्यामा को अंडे क्यों नहीं देखने दे रहा था?
उत्तर - केशव श्यामा को अंडे इसलिए नहीं देखने दे रहा था क्योंकि श्यामा उससे छोटी थी और उसे डर था कि कहीं वह अंडे देखने में स्टूल से गिर न जाए और उसे इसके लिए अम्माँ से डाँट न खानी पड़े।
प्रश्न-3 दोनों चिड़ियाँ बार - बार कार्निस पर आती थीं पर बगैर बैठे ही क्यों उड़ जाती थीं?
उत्तर - कार्निस पर चिड़िया ने अंडे दिए थे। चिड़ा और चिड़िया दोनों अंडों को देखने आते थे। लेकिन वहअंडे गंदे हो चुके थे इसलिए वे उन्हें सेते नहीं थे। यही कारण था कि वे बगैर बैठे ही उड़ जाती थीं।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?
उत्तर - केशव ने देखा, कार्निस पर थोड़े तिनके बिछे हुए हैं और उन पर तीन अंडे पड़े हैं। उनकी हिफ़ाजत के लिए उसने चिथड़े मँगाकर उसकी गद्दी बनाई और उसे तिनकों पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे से उस पर रख दिए। उनको धूप से बचाने के लिए टोकरी को एक टहनी से टिकाकर उन पर छाया की। टोकरी के नीचे दाना पानी भी रख दिया जिससे चिड़िया को अंडो से दूर न जाना पड़े।
प्रश्न-2 केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा?
उत्तर- केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा:-
1.उनकी हिफ़ाजत के लिए उन्होंने चिथड़े की गद्दी बनाई और उसे तिनकों पर बिछाकर अंडे धीरे से उस पर रख दिए।
2. उन्होंने उनको धूप से बचाने के लिए टोकरी को एक टहनी से टिकाकर उन पर छाया की।

3. उन्होंने टोकरी के नीचे दाना पानी भी रख दिया जिससे चिड़िया को अंडो से दूर न जाना पड़े।

प्रश्न-3 केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में क्या - क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उत्तर - केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में अनुमान लगाया कि उनमें से बच्चे निकल आए होंगे। बेचारी चिड़िया इतना दाना कहाँ से पाएगी कि सारे बच्चों का पेट भर सके। गरीब बच्चे भूख के मारे चूँ चूँ करके मर जाएँगे। उन्हें तिनकों पर परेशानी होगी और तेज़ धूप में भी कष्ट होगा। यदि उनके जगह मैं होता तो अनुमान लगाता कि कोई जानवर अंडों को नुकसान न पहुँचा दे। मैं अंडों को छूता नहीं। चिड़िया के लिए दाना मैं ज़मीन पर बिखेर देता।

व्याकरण

*** वचन की परिभाषा -** संज्ञा , सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के जिस रूप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

वचन के भेद

1) एकवचन : जैसा कि नाम से स्पष्ट है, एकवचन विकारी शब्द का वह रूप है जिससे एक ही व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है।

उदाहरण- घोड़ा दौड़ता है।
गाय चरती है।

इन वाक्यों में 'घोड़ा' और 'गाय' से एक जानवर का बोध होता है ये एकवचन हैं।

(2) बहुवचन : बहुवचन वह विकारी शब्द है जिससे एक से अधिक वस्तुओं, व्यक्तियों आदि का बोध होता है।

जैसे- घोड़े चरते हैं।
गायें दौड़ती हैं।

'घोड़े | और 'गायें" कहने से एक से अधिक जानवरों का बोध होता है। अतः ये बहुवचन हैं।

➢ कारक की परिभाषा

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका संज्ञा या सर्वनाम का सम्बन्ध सूचित हो, उसे उस रूप को 'कारक' कहते हैं।

➢ कारक के भेद-

➢ - कर्ता कारक
- कर्म कारक
- करण कारक
- सम्प्रदान कारक
- अपादान कारक
- सम्बन्ध कारक
- अधिकरण कारक
- संबोधन कारक

(1) कर्ता कारक :- जो वाक्य में कार्य करता है उसे कर्ता कहा जाता है। अथार्त वाक्य के जिस रूप से क्रिया को करने वाले का पता चले उसे कर्ता कहते हैं।

राम ने पत्र लिखा।
हम कहाँ जा रहे हैं।
रमेश ने आम खाया।

(2) कर्म कारक :- जिस व्यक्ति या वस्तु पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है उसे कर्म कारक कहते हैं।
- ममता सितार बजा रही है।
- राम ने रावण को मारा।
- गोपाल ने राधा को बुलाया।

(3) करण कारक :- जिस साधन से क्रिया होती है उसे करण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिन्ह से और के द्वारा होता है।
- बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
- बच्चा बोतल से दूध पीता है।
- राम ने रावण को बाण से मारा।

4) सम्प्रदान कारक :- जिसके लिए कोई क्रिया काम की जाती है, उसे सम्प्रदान कारक कहते है।
- वे मेरे लिए उपहार लाये हैं।
- माँ बेटे के लिए सेब लायी।
- मैं सूरज के लिए चाय बना रहा हूँ।

5) अपादान कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का बोध हो वहाँ पर अपादान कारक होता है।
हाथ से छड़ी गिर गई।
चूहा बिल से बाहर निकला।
पेड़ से आम गिरा।

6) संबंध कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप की वजह से एक वस्तु की दूसरी वस्तु से संबंध का पता चले उसे संबंध कारक कहते हैं।
राम की किताब, श्याम का घर।
चाँदी की थाली, सोने का गहना।

7) अधिकरण कारक :- अधिकरण का अर्थ होता है – आधार या आश्रय। संज्ञा के जिस रूप की वजह से क्रिया के आधार का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं।
पुस्तक मेज पर है।
पानी में मछली रहती है।
फ्रिज में सेब रखा है।

8) सम्बोधन कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से बुलाने या पुकारने का बोध हो उसे सम्बोधन कारक कहते हैं।
हे ईश्वर ! रक्षा करो।
अरे ! बच्चो शोर मत करो।
हे राम ! यह क्या हो गया।

लेखन -विभाग
अनुच्छेद

➢ वन और हमारा पर्यावरण

वन और पर्यावरण का गहरा संबंध है। ये सचमुच जीवनदायक हैं। ये वर्षा लाने में सहायक होते है और धरती की उपजाऊ-शक्ति को बढ़ाती है। वन ही वर्षा के धारासार जल को अपने भीतर सोखकर बाढ़ का खतरा रोकती है। यही रूका हुआ जल धीरें-धीरें सारे पर्यावरण में पुनः चला जाता है। वनों की कृपा से ही भूमि का कटाव रूकता है। सूखा कम पड़ता है तथा रेगिस्तान का फैलाव रूकता है। वन हमारे

द्वारा छोड़ी गई गंदी साँसों को कार्बन डाइआॅक्साइड को भोजन के रूप में ले लेते हैं और बदले में हमें जीवनदायी आक्सीजन प्रदान करते है। इन्हीं जगलो में असंख्य, अलभ्य जीवन-जंतु निवास करते हैं जिनकी कृपा से प्राकृतिक संतुलन बना रहता हे। आज शहरां में लगातार ध्वनि-प्रदूषण बढ़ रहा है। वन और वृक्ष ध्वनि-प्रदूषण भी रोकते है। यदि शहरों में उचित अनुपात में पेड़ लगा दिए जाएँ तो प्रदूषण की भंयकर समस्या का समाधान हो सकता है। परमाणु उर्जा के खतरे को तथा अत्यधिक ताप को रोकने का सशक्त उपाय भी वनों के पास है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोंतो के भंडार है। इनमें ऐसी दुर्लभ वनस्पतियाँ सुरक्षित रहती है जो सारे जग को स्वास्थय प्रदान करती हे। गंगा-जल की पवित्रता का कारण उसमें मिली वन्य औषधियाँ ही है। इसके अतिरिक्त वन हमें लकड़ी, फूल-पत्ती, खा़द्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्रदान करते है। भाग्य से आज भारतवर्ष में केवल 23 प्रशित वन रह गए है। अंधाधुंध कटाई के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। वनों का संतुलन वनाए रखने के लिए 10 प्रतिशत और अधिक वनों की आवश्यकता हे। जैसे-जैसे उद्योगो की संख्या बढ़ती जा रही हे, वाहन बढ़ते जा रहे हैं, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और अधिक बढ़ती जाएगी।

- **गतिविधि – चिड़िया का चित्र बनाओ |**

कविता -4 चाँद से थोड़ी-सी गप्पे
(लेखक – श्री शमशेर बहादुर सिंह)

➢ कविता का सार

कविता में एक दस – ग्यारह साल की लड़की चाँद से गप्पें लड़ा रही है| वह चाँद से कहती है कि आप गोल है , पर जरा तिरछा नज़र आते है | आपका वस्त्र यह पूरा आकश है , जिसमें सारे तारे जुड़े हुये है | इस पोशाक के बीच में केवल आपका गोरा चिट्टा ,गोल चेहरा दिखाई देता है |आप हमें बेवकूफ मत समझिए | हम जानते कि आप तिरछे नज़र क्यों आते हैं | आपको कोई बीमारी है | तभी आप घटते हैं , तो घटते ही चले जाते हैं फिर पूरी तरह गायब हो जाते हैं | फिर बढ़ते है तो बढ़ते ही चले जाते हैं , जब तक पूरे गोल न हो जाएँ | पता नहीं क्यों ,पर आपकी यह बीमारी ठीक ही नहीं होती |

➢ नए शब्द

1) गोकि
2) निरा
3) मरज़
4) पोशाक

➢ शब्दार्थ

1) गोरा-चिट्टा = बहुत सफ़ेद
2) पोशाक = वेषभूषा
3) गोकि = चूंकि
4) निरा = एकदम
5) दम लेना = विश्राम करना
6) गोल हो जाना = गायब हो जाना
7) मरज़ = रोग , बीमारी

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) चाँद से गप्पें कौन लड़ा रहा है?

(i) लड़का
(ii) तारे
(iii) लड़की
(iv) आसमान

ख) चाँद को कैसी बीमारी है?

(i) घटने की (ii) बढ़ने की

(iii) दोनों की (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) "चाँद से थोड़ी-सी गप्पें' कविता के कवि कौन हैं?

(i) केदारनाथ अग्रवाल **(ii) शमशेर बहादुर सिंह**

(iii) सुमित्रानंदन पंत (iv) विनय महाजन

घ) बालिका ने चाँद को क्या बीमारी बताई है?

(i) क्रोध करने की (ii) लाल-पीला होने की

(iii) घटने-बढ़ने की (iv) भूलने की

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. चाँद की पोशाक की क्या विशेषता है?

उत्तर- आकाश के चारों तरफ फैली हुई है।

प्रश्न 2. कवि के अनुसार चाँद को क्या बीमारी है?

उत्तर- तिरछे रहने की।

प्रश्न 3. लड़की चाँद के घटने बढ़ने का क्या कारण बताती है?

उत्तर- लड़की कहती है कि चाँद किसी बीमारी से ग्रस्त होने के कारण घटता-बढ़ता है।

प्रश्न 4. यह 'मरज़' आपको अच्छा ही नहीं होने में आता है, का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- चाँद पंद्रह दिन अमावस्या के अगले दिन से लेकर पूर्णिमा तक बड़ा होता है। पूर्णिमा के अगले दिन से अमावस्या तक फिर छोटा होता चला जाता है। चाँद को यह क्रम निरंतर चलता रहता है|

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

1- **कविता में "आप पहने हुए हैं कुल आकाश "कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?**

उत्तर:- कविता में "आप पहने हुए हैं कुल आकाश" कह कर लड़की कहना चाहती है कि चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

2- "यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।"इस कविता द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर - कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी हैजो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्योंकि जब ये घटते हैं तो केवल घटते ही चले जाते हैं और जब बढ़ते हैं तो बिना रूके दिन प्रतिदिन निरन्तर बढ़ते ही चले जाते हैं। तब-तक, जब-तक ये पूरे गोल न हो जाए। कवि की नज़र में ये सामान्य क्रिया नहीं है।

3 -"हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तर:- "हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की कहना चाहती है कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते है कि पूरे गोल हो जाते हैं।

व्याकरण

काल

काल का अर्थ होता है – "समय" । अर्थात क्रिया के होने या घटने के समय को काल कहते है।

दूसरे शब्दों में —-काल क्रिया के उस रूप को कहते है जिससे उसके कार्य करने या होने के समय तथा पूर्णता का ज्ञान होता है। उसे काल कहते है।

क्रिया के होने के समय की सूचना हमें काल से मिलती है। जैसे —

- नीलम बीमार है।
- नीलम बीमार थी ।
- नीलम अस्पताल जाएगी।

काल के भेद-

काल के तीन भेद होते है-

1. वर्तमान काल (present Tense) – जो समय चल रहा है।
2. भूतकाल(Past Tense) – जो समय बीत चुका है।
3. भविष्यत काल (Future Tense)- जो समय आने वाला है।

1) वर्तमान काल- कोई क्रिया जिस समय घटित होती है, भाषा में वह समय वर्तमान काल कहलाता है।

क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में चल रहे समय का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदहारण

- मेरी बहन डॉक्टर है।
- वह रोज अस्पताल जाती है।
- पिताजी सुबह मंदिर जाते है।
- मॉ इस समय नाश्ता बना रही है।
- बच्चे स्कूल गए है।

2) भूतकाल :- जिसके द्वारा हमें क्रिया के बीते हुए समय में होने का बोध होता है। उसे भूतकाल कहा जाता है।

भूतकाल दो शब्दों के मेल से बना है – "भूत + काल। भूत का अर्थ होता है – " जो बीत गया और काल का अर्थ होता है – समय।"

- आज हमारा स्कूल बंद था
- हवा बहुत तेज चल रही थी
- वह खा चुका था।
- मैंने पुस्तक पढ़ ली थी।
- वे दोनों मेरे पडोसियों के बच्चे थें।

3) भविष्य काल- जिन चिह्नों से यह पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय में घटित होने वाली है, वे चिह्न भविष्यत काल के चिह्न कहलाते हैं |

दूसरे शब्दों में —जिसके द्वारा हमें क्रिया के आने वाले समय में कार्य होने का बोध हो उसे भविष्यत काल कहते है।

- राम कल पढ़ेगा।
- इस साल बारिश अच्छी होगी
- वह मेरी बात नहीं मानेगी।
- आज बाजार बंद रहेगा
- कमला गाएगी

लेखन -विभाग
संवाद लेखन

- **टिकट बाबू और यात्री में संवाद**

टिकट बाबू- आप अपना टिकट दिखाइए।

यात्री- यह रहा टिकट !

टिकट बाबू- यह टिकट तो शोलापुर तक का ही है। आप तो उससे एक स्टेशन आगे आ चुके हैं।

यात्री- एक स्टेशन आगे? तो क्या शोलापुर पीछे छूट गया?

टिकट बाबू- जी हाँ, शोलापुर तो पीछे छूट गया।

यात्री- यह तो बड़ी गड़बड़ हो गई अब क्या होगा?

टिकट बाबू- आप कर क्या रहे थे?

यात्री- जी! मेरी आँख लग गई थी।

टिकट बाबू- आपको पहले से सचेत रहना चाहिए। कहीं ऐसी भी गलती होती हैं?

यात्री- असल में मैं इस रास्ते में अनजान हूँ। मुझे पता नहीं था कि शोलापुर किस स्टेशन के बाद है।

टिकट बाबू- ठीक है। आप अगले स्टेशन पर उतर जाइए और आइन्दा इस बात का ध्यान रखिएगा। वरना आपको फाइन हो सकती है।

यात्री- भला मैं ऐसा क्यों करूँगा? इससे तो मुझे ही परेशानी होगी।

- **गतिविधि –** चाँद का चित्र बनाए और चाँद के ऊपर एक कविता लिखिए **|**

रामायण
पाठ -3 दो वरदान

प्रश्न-1 राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा क्या थी?
उत्तर- राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा थी कि राम का राज्याभिषेक हो।
प्रश्न-2 भरत और शत्रुघ्न कहाँ गए थे?
उत्तर - भरत और शत्रुघ्न अपने नाना केकयराज के यहाँ गए हुए थे ।
प्रश्न-3 कैकेयी की दासी का क्या नाम था?
उत्तर- कैकेयी की दासी का नाम मंथरा था ।
प्रश्न-4 मंथरा क्यों जलभुन गई?
उत्तर - मंथरा राम के राज्याभिषेक के बारे में सुन कर जलभुन गई ।
प्रश्न-5 मंथरा ने राम के राज्याभिषेक को क्या समझा?
उत्तर - मंथरा ने राम के राज्याभिषेक को रानी कैकेयी के विरुद्ध षड्यंत्र समझा ।
प्रश्न-6 रानी कैकेयी के मन में क्या प्रश्न था?
उत्तर - रानी कैकेयी के मन में प्रश्न था कि वह राजा दशरथ से दो वरदान के बारे में कैसे कहे ।
प्रश्न-7 राजा दशरथ शुभ समाचार देने के लिए किसके कक्ष की ओर बढे?
उत्तर- राजा दशरथ शुभ समाचार देने के लिए रानी कैकेयी के कक्ष की ओर बढे।

पाठ- 4 राम का वन गमन

प्रश्न-1 नगरवासी रातभर किसकी तैयारी में लगे हुए थे?
उत्तर- नगरवासी रातभर राज्याभिषेक की तैयारी में लगे हुए थे ।
प्रश्न-2 गुरु वशिष्ठ की आँखों में नींद क्यों नहीं थी?
उत्तर - गुरु वशिष्ठ राम की राज्याभिषेक के लिए उत्साहित थे इसलिए उनकी आँखों में नींद नहीं थी ।
प्रश्न-3 महर्षि ने महामंत्री को महाराज को देखने के लिए कहाँ भेजा?
उत्तर - महर्षि ने महामंत्री को महाराज को देखने के लिए राजभवन भेजा ।
प्रश्न-4 महामंत्री सुमंत्र असहज क्यों थे?
उत्तर - महामंत्री सुमंत्र असहज इसलिए थे क्योंकि पिछली शाम से किसी ने महाराज को नहीं देखा था ।
प्रश्न-5 महामंत्री ने कैकेयी के महल में महाराजा दशरथ को किस स्तिथि में देखा?
उत्तर - महामंत्री ने देखा कि महाराजा दशरथ बीमार और दीनहीन अवस्था में पलंग पर पड़े थे ।
प्रश्न-6 राम को देखते ही कौन बेसुध हो गए?
उत्तर- राम को देखते ही राजा दशरथ बेसुध हो गए ।
प्रश्न-7 राम को देखते ही राजा दशरथ की क्या दशा हुई?
उत्तर- राजा दशरथ राम को देखते ही बेसुध हो गए । उनके मुँह से हलकी - सी आवाज़ निकली, "राम!" उन्हें होश आया तब भी वे कुछ बोल नहीं सके ।
प्रश्न-8 कैकेयी के महल से निकल कर राम सीधे कहाँ गए?
उत्तर - कैकेयी के महल से निकल कर राम सीधे अपनी माँ के पास गए ।
प्रश्न-9 कौशल्या का क्या मन था?
उत्तर - कौशल्या का मन था कि राम को रोक लें । वन न जाने दें । राजगद्दी छोड़ दें । पर वह अयोध्या में रहें ।
प्रश्न-10 राम ने सीता से क्या आग्रह किया?
उत्तर - राम ने सीता से अपने माता पिता की सेवा करने का आग्रह किया ।

प्रश्न-11 सीता क्यों व्याकुल हो गयीं?
उत्तर - राम ने जब वन जाने के लिए सीता से विदा माँगी तो वह व्याकुल हो गयीं ।
प्रश्न-11 राम का निर्णय सुनकर सीता ने उनके सम्मुख क्या प्रस्ताव रखा?
उत्तर - राम नहीं माने तो सीता ने उनके साथ जंगल जाने का प्रस्ताव रखा ।
प्रश्न-12 वनवासियों ने रात कहाँ बिताई?
उत्तर- वनवासियों ने रात तमसा नदी के तट पर बिताई ।

पाठ- 5 अक्षरों का महत्व
(लेखक – श्री गुणाकर मुले)

➢ पाठ का सार

हमारी पृथ्वी बहुत पुरानी है है ।दो-तीन अरब साल तक पृथ्वी पर किसी प्रकार के जीव जंतु नहीं थे फिर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही राज्य रहा । इंसानों ने कोई 10 हज़ार साल पहले गांव को बसाना शुरू किया । फिर धीरे-धीरे वह खेती करने लगा। चित्र संकेत से भाव संकेत बने और नए युग की शुरुआत हुई । लोग अपने-अपने हिसाब रखने लगे । तब से इंसान सभ्य कहा जाने लगा | अक्षरों की खोज ना हुई होती, तो हम इतिहास को नहीं जान पाते और हम यह भी नहीं जान पाते कि हजारों साल तक इंसान ने अपना जीवन कैसे व्यतीत किया । मानव क्या-क्या सोचता था और उसने क्या-क्या कार्य किए । अक्षरों की खोज मनुष्य की बड़ी खोज है । वह अपने विचारों को लिखकर रखने लगा । इस प्रकार, एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। अक्षर की खोज से मानव सभ्यता का तेजी से विकास हुआ है । यह महत्व है अक्षरों का और उससे बने लिपियों का ।

➢ नए शब्द

1) मूल
2) सभ्य
3) सिलसिला
4) प्रागएतिहासिक
6) वृत
7) अनादि

8) तादाद

➢ शब्दार्थ

1) तादाद = संख्या
2) मूल – जड़ , आधार
3) अनादि = जिसका आरंभ न हो
4) अस्तित्व = सत्ता
5) वृत = गोल घेरा
6) कौमा = जाति
7) सभ्य = शिष्ट
8) जरिए = के द्वारा
9) प्रागएतिहासिक = इतिहास से पहले का काल
10) सिलसिला = क्रम

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) अक्षरों की खोज का सिलसिला लगभग कब शुरू हुआ?

(i) एक हजार साल पहले
(ii) दस हजार साल पहले
(iii) छह हजार साल पहले
(iv) दो हजार साल पहले

(ख) धरती कितने साल पुरानी है?

(i) चार अरब साल
(ii) पाँच अरब साल
(iii) तीन अरब साल
(iv) छह हजार साल

ग) गाँवों का विकास कितने वर्ष पूर्व हुआ?

(i) आठ हजार
(ii) बारह हज़ार
(iii) छह हज़ार
(iv) दस हज़ार

(घ) अक्षर ज्ञाने से पहले मनुष्य किस प्रकार संदेश भेजता था?

(i) आवाज रिकार्ड करके
(ii) चिल्लाकर
(iii) चित्रों के माध्यम से
(iv) घंटी बजाकर

(ङ) स्थायी भाषा कौन-सी है?

(i) मौखिक
(ii) लिखित
(iii) सांकेतिक
(iv) इनमें से कोई नहीं

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. अब तक दुनिया में कितनी पुस्तकें छप चुकी हैं?
उत्तर- दुनिया में अब तक करोड़ों पुस्तकें छप चुकी हैं।
प्रश्न 2. धरती का अस्तित्व कब से है?
उत्तर- धरती का अस्तित्व लगभग पाँच अरब साल पहले से है।
प्रश्न 3. आदमी ने गाँवों में रहना कब से शुरू किया?
उत्तर- करीब दस हज़ार वर्ष पहले आदमी ने गाँवों में रहना शुरू किया।
प्रश्न 4. मनुष्य से पहले इस धरती पर किसका राज्य रहा?
उत्तर- धरती पर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का राज्य रहा।
प्रश्न 5. सूर्य का चित्र किसका द्योतक बन गया?
उत्तर- आगे चलकर सूर्य का चित्र 'ताप' या 'धूप' का द्योतक बन गया।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ नए युग की शुरुआत हुई?
उत्तर- अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। आदमी अपने विचार एवं अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को 'सभ्य' कहा जाने लगा। आदमी ने जब से लिखना शुरू किया, तब से 'इतिहास' आरंभ हुआ और एक पीढ़ी के विचार दूसरी पीढ़ी तक पहुँचने लगे, जिससे एक नए युग की शुरुआत हुई।

प्रश्न 2. अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ?

उत्तर- अक्षरों की खोज का सिलसिला लगभग छह हज़ार साल पहले शुरू हुआ। अक्षर बनाने से पहले मनुष्य अपने भाव पशु, पक्षियों और आदमियों के चित्रों के माध्यम से प्रकट करता था।

प्रश्न 3अक्षरों के ज्ञान से पूर्व मनुष्य अपनी बात को दूर दराज के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन-किन माध्यमों का सहारा लेता था?

उत्तर- अक्षरों के ज्ञान से पूर्व मनुष्य अपनी बात को दूर दराज़ इलाकों तक पहुँचाने के लिए कई तरीके अपनाए थे। उनमें चित्रों के जरिए अपने भाव व्यक्त करना था। जैसे-पशु, पक्षियों, व्यक्तियों के चित्र।

व्याकरण

वाक्य- दो या दो से अधिक शब्दों के सार्थक समूह को कहते हैं। उदाहरण के लिए 'सत्य से विजय होती है।' एक वाक्य है क्योंकि इसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है किंतु 'सत्य विजय होती।' वाक्य नहीं है क्योंकि इसका अर्थ नहीं निकलता है तथा वाक्य होने के लिए इसका अर्थ निकलना चाहिए। जैसे:- "विद्या धन के समान हैं ।" ,"

* वाक्य के प्रकार (भेद)

1) विधानवाचक वाक्य (**Affirmative sentence)**

जिस वाक्य से क्रिया करने या होने का बोध हो , उसे विधानवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- रमा खेल रही है।

2) निषेधवाचक वाक्य (**Negative sentence)**

जिस वाक्य में क्रिया न करने या न होने का बोध हो , उसे निषेधवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- बाहर जाना मना है।

3) प्रश्नवाचक वाक्य (**Interrogative sentence)**

जिस वाक्य में प्रश्न का बोध हो , उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- तुम क्या कर रहे हो ?

4) संदेहवाचक वाक्य (**Skeptical sentence)**

जिस वाक्य में संदेह या संभावना का बोध हो , उसे संदेहवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- शायद आज बारिश होगी।

5) संकेतवाचक वाक्य (**Indicative sentence)**

जिस वाक्य में एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का संकेत हो , उसे संकेतवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- यदि बारिश होती तो पानी की कमी न होती।

6) इच्छावाचक वाक्य (**Optative sentence)**

जिस वाक्य में इच्छा , शुभकामना , आशीर्वाद , आशा आदि के भाव प्रकट हों , उसे इच्छावाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- मुझे आज बाहर जाने का मन हो रहा है।

आप अच्छे अंको से पास हो।

सदा कल्याण हो।

अच्छे के लिए आशा !

7) आज्ञावाचक वाक्य **(Imperative sentence)**

जिस वाक्य में आज्ञा , उपदेश , आदेश , अनुमति या प्रार्थना आदि के भाव प्रकट हो , उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- तुम बाहर जाओ।

निरंतर कोशिश करने वाले कभी हारते नहीं।

तुम खेलने के लिए बाहर जा सकते हो।

हे प्रभु ! मेरा विश्वास कमज़ोर न हो।

8) विस्मयादिवाचक वाक्य **(Exclamatory sentence)**

जिस वाक्य में विस्मय , हर्ष , क्रोध , घृणा आदि के भाव प्रकट हों , उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते है।

जैसे :- अरे ! तुम कितनी सुंदर लग रही हो।

धन्य – धन्य ! तुम पहले नंबर से पास हो गए।

बस करो ! तुम्हें कुछ समज में नहीं आता ?

छिः ! कितना गंदा पानी है।

लेखन -विभाग

सूचना- लेखन

26 जुलाई 2020

दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अन्तः विद्यालयी दोहा गायन प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है | इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं|

दिनांक - 30 जुलाई 20 - -

समय - प्रातः 10 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - दोहा गायन

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 30 जुलाई 20 - -तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें |

हरीओम दूबे

सचिव

हिंदी साहित्य समिति

- **गतिविधि -** पाठ आधारित चित्र बनाए |

पाठ -6 पार नज़र के
(लेखक – जयंत विष्णु नार्लीकर)

➢ पाठ का सार

छोटू का परिवार मंगल ग्रह पर ज़मीन के नीचे बनी एक कॉलोनी में रहता था। एक समय था जब लोग मंगल ग्रह पर जमीन के ऊपर रहते थे, ये पुरखे बगैर किसी तरह के यंत्रों की मदद के, बिना किसी खास किस्म के पोशाक के रहते थे लेकिन धीरे-धीरे वातावरण में परिवर्तन आने लगा। इससे धरती पर रहने वाले कई प्रकार के जीव धीरे-धीरे एक के बाद एक मरने लगे। इस परिवर्तन का कारण सूर्य में आया परिवर्तन था। सूर्य में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। इस कहानी में अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक संस्था नासा–जिसका पूरा नाम "नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA)" है ने भेजा था। इस यान का नाम वाइकिंग था। पृथ्वी के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करने के लिए बड़े उत्सुक थे। इस कहानी के अनुसार छोटू के माध्यम से मंगल ग्रह के जीवन के बारे में बताया गया है। यह तथ्य कल्पना पर आधारित अवश्य लगता है लेकिन इसमें पाठकों की जिज्ञासा उत्पन्न की गई है। हाँ, ऐसा कुछ-कुछ होना संभव अवश्य है, पर इसे पूर्णतः सत्य नहीं कहा जा सकता। यह एक वैज्ञानिक पृष्ठभूमि पर रची गई काल्पनिक कहानी है। इसे पढ़कर हमारे ज्ञान में अवश्य वृद्धि होती है।

➢ नए शब्द

1) सुरंगनुमा
2) चुनिंदा
3) हथिया लिया
4) गतिविधियां
5) मुमकिन
6) अवलोकन करना
7) अस्तित्व
8) ऊर्जा
9) दरखास्त
10) निर्धारित

➢ शब्दार्थ

1) चुनिंदा – चुना हुआ
2) दर्शाना – प्रकट करना
3) लाज़िमी – फर्ज़ , आवश्यक
4) प्रशिक्षण – ट्रेनिंग
5) उष्णता – गर्मी , ताप
6) अक्षम – असमर्थ
7) सतर्कता – सावधानी
8) मंशा – इच्छा
9) यान – वाहन
10) दरखास्त – प्रार्थना
11) निरीक्षण – जाँच करना
12) अज्ञात – जिसका पता न हो
13) खाक करना – नष्ट कर देना

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) इस पाठ के लेखक कौन हैं?छु

(i) गुणाकर मुले
(ii) कृष्णा सोबती
(iii) जयंत विष्णु नार्लीकर
(iv) केदार नाथ अग्रवाल

(ख) छोटू का परिवार कहाँ रहता था ?

(i) पर्वत पर
(ii) समुद्र में
(iii) आकाश में
(iv) जमीन के नीचे कॉलोनी में

(ग) कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या हरकत की?

(i) वह डांस करने लगा
(ii) वह चॉकलेट माँगने लगा
(iii) वह लाल बटन दबाने के लिए मचलने लगा
(iv) उसने मोटर स्टार्ट कर दी।

(घ) किस कमी के कारण मंगल ग्रहवासी अंतरिक्ष यान छोड़ने में असमर्थ थे?

(i) ऊर्जा की
(ii) यंत्रों की
(iii) तकनीकी की
(iv) ईंधन की

(ङ) मंगल ग्रह के निवासी जमीन के नीचे किसके सहारे रहते थे?

(i) रोशनी के सहारे
(ii) पानी के सहारे
(iii) यंत्रों के सहारे
(iv) ईंधन के सहारे

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. छोटू और उसकी माँ के बीच क्या बात होती थी?

उत्तर- छोटू और उसकी माँ के बीच सुरंगनुमा रास्ते की बात होती थी।

प्रश्न 2. सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग कौन करते थे?

उत्तर- सुरंगनुमा रास्ता सभी के लिए खुला नहीं था। इसका प्रयोग कुछ लोग ही कर सकते थे। यह रास्ता केवल उन लोगों के लिए खुला था जो इस रास्ते से होते हुए काम पर जाया करते थे।

प्रश्न 3. ज़मीन पर चलना कैसे संभव हो पाया?

उत्तर- जमीन पर चलने के लिए विशेष प्रकार के जूतों का प्रयोग किया जाता था। इसके लिए ट्रेनिंग भी

दी जाती थी।

प्रश्न 4. मंगल ग्रह के लोगों के लिए अब अंतरिक्ष यान छोड़ना असंभव क्यों है?

उत्तर- मंगल ग्रह के लोगों के लिए यान छोड़ना असंभव है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक मात्रा में ऊर्जा उपलब्ध नहीं है।

➢ लघुउत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. इस पाठ के अनुसार मंगल ग्रह पर जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया?

उत्तर- एक समय था जब मानव मंगल ग्रह पर जमीन के ऊपर रहते थे। धीरे-धीरे वातावरण में परिवर्तन आने लगा। कई तरह के जीव धरती पर रहते थे। सूरज में बहुत भारी परिवर्तन आया। सूरज में होने की वजह से वहाँ का प्राकृतिक, संतुलन बिगड़ गया। प्रकृति के बदले हुए रूप का सामना करने में यहाँ के पशु-पक्षी, पेड़ पौधे व अन्य जीव असमर्थ साबित हुए। इसलिए मंगल ग्रह का जीवन नष्ट हो गया।

प्रश्न 2. छोटू के सुरंग में प्रवेश करते ही क्या हुआ?

उत्तर- उसके प्रवेश करते ही पहले निरीक्षक यंत्र में संदेहास्पद स्थिति दर्शाने वाली हरकत हुई, दूसरे यंत्र ने उसकी तस्वीर खींच ली और सूचना दे दी गई।

प्रश्न 3. छोटू की माँ छोटू से क्यों नाराज़ थी?

उत्तर- छोटू की माँ ने पहले भी कई बार छोटू को सुरंगनुमा रास्ते की तरफ़ जाने से मना किया था।फिर भी छोटू ने उनकी बात नहीं मानी। उसने पापा का सिक्यूरिटी पास चुराया और सुरंग का दरवाजा खोलकर उसके भी चला गया। इसी कारण छोटू की माँ उससे नाराज़ थी।

प्रश्न 4. अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों भेजा था?

उत्तर- अंतरिक्ष यान को 'नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' यानी नासा ने भेजा था। नासा के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करना चाहते थे। वे इस अध्ययन द्वारा यह पता लगाना चाहते थे कि क्या मंगल ग्रह पर पृथ्वी की तरह के जीव रहते हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से 'नासा' ने अंतरिक्ष यान भेजा था।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न 1 कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उत्तर- कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने अंतरिक्ष यान क्रमांक-एक देखा। उस यान से एक यांत्रिक हाथ बाहर निकल रहा था। हर पल उसकी लंबाई बढ़ती जा रही थी। छोटू का पूरा ध्यान कॉन्सोल-पैनल पर था जिस पर कई बटन लगे हुए थे। यहीं लगे लाल बटन को छोटू दबाना चाहता था। अंत में उसने अपनी इच्छा नहीं रोक पाई। उसने उसका लाल बटन दबा ही दिया। बटन दबते ही खतरे ही घंटी बज उठी। अपनी इस गलती पर उसने अपने पिता से एक थप्पड़ भी खाया क्योंकि उसके बटन दबाने से अंतरिक्ष यान की क्रमांक-एक का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया।

व्याकरण

➢ **सर्वनाम** - जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें सर्वनाम कहते हैं ।
उदाहरण : मैं, तू, आप,स्वयं, यह, वह, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या ।

➢ सर्वनाम के भेद

१- पुरुषवाचक सर्वनाम
२- निजवाचक सर्वनाम
३- निश्चयवाचक सर्वनाम
४- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
५- सम्बन्धवाचक सर्वनाम
६- प्रश्नवाचक सर्वनाम

1- पुरुषवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं । जैसे - मैं, तुम, हम, आप, वे ।

2- निजवाचक - जो सर्वनाम शब्द करता के स्वयं के लिए प्रयुक्त होते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे :स्वयं,आपही,खुद,अपनेआप।

उदाहरण
- तुम स्वयं यह कार्य करो।
- मैं अपने कपडे स्वयं धो लूँगा।
- मैं वहां अपने आप चला जाऊंगा।

3- निश्चयवाचक - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे : यह, वह, ये, वे।

उदाहरण
- वह एक लड़का है।
- वे इधर ही आ रहे हैं।
- यह कार मेरी है।

4- अनिश्चयवाचक - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

उदाहरण :
- लस्सी में कुछ पड़ा है ।
- भिखारी को कुछ दे दो|
- मुझे कोई नज़र आ रहा है।

5- संबंधवाचक - जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध ज्ञात होता है|

उदाहरण :
- जहाँ चाह वहाँ राह ।
- जैसा बोओगे वैसा काटोगे|
-जैसी करनी वैसी भरनी।

6- प्रश्नवाचक - जिन सर्वनाम से वाक्य में प्रश्न का बोध होता है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

उदाहरण
- रमेश क्या खा रहा है?
- कमरे मैं कौन बैठा है?

लेखन – विभाग
कहानी लेखन

संकेत

एक किसान के लड़के लड़ते- किसान मरने के निकट- सबको बुलाया- लकड़ियों को तोड़ने को दिया- किसी से न टूटा- एक-एक कर लकड़ियों तोड़ी- शिक्षा।

एक था किसान। उसके चार लड़के थे। पर, उन लड़कों में मेल नहीं था। वे आपस में बराबर लड़ते-झगड़ते रहते थे। एक दिन किसान बहुत बीमार पड़ा। जब वह मृत्यु के निकट पहुँच गया, तब उसने अपने चारों लड़कों को बुलाया और मिल-जुलकर रहने की शिक्षा दी। किन्तु लड़कों पर उसकी बात का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। तब किसान ने लकड़ियों का गट्ठर माँगाया और लड़कों को तोड़ने को कहा। किसी से वह गट्ठर न टूटा। फिर, लकड़ियाँ गट्ठर से अलग की गयीं। किसान ने अपने सभी लड़कों को बारी-बारी से बुलाया और लकड़ियों को अलग-अलग तोड़ने को कहा। सबने आसानी से ऐसा किया और लकड़ियाँ एक-एक कर टूटती गयीं। अब लड़कों की आँखें खुलीं। तभी उन्होंने समझा कि आपस में मिल-जुलकर रहने में कितना बल है।

शिक्षा – एकता में ही बल है |

* **गतिविधि** – सौरमंडल का चित्र बनाइए |

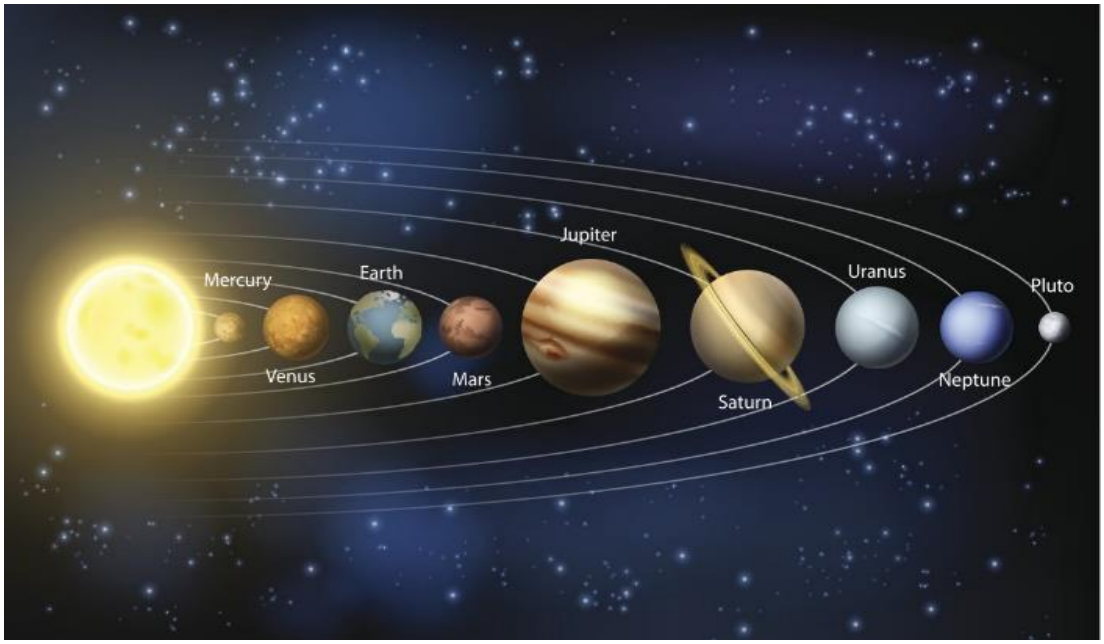

रामायण
पाठ- 5 चित्रकूट में भरत

प्रश्न-1 भरत के नाना कौन थे?
उत्तर- भरत के नाना केकयराज थे ।
प्रश्न-2 जब राजा दशरथ की मृत्यु हुई तब भरत कहाँ थे?
उत्तर- जब राजा दशरथ की मृत्यु हुई तब भरत अपने ननिहाल केकय राज्य में थे ।
प्रश्न-3 भरत ने सपने में क्या देखा?
उत्तर - भरत ने सपने में देखा कि समुद्र सूख गया । चन्द्रमा धरती पर गिर पड़े । वृक्ष सूख गए । राजा दशरथ को एक राक्षसी खींचकर ले जा रही है । वे रथ पर बैठे हैं । रथ गधे खींच रहें हैं ।
प्रश्न-4 भरत को संदेश कब मिला?
उत्तर - जिस समय भरत मित्रों को अपना सपना सुना रहे थे ठीक उसी समय अयोध्या से घुड़सवार दूत वहाँ पहुँचे । तभी भरत को संदेश मिला ।
प्रश्न- 5 केकयराज ने भरत को कितने रथों और सेना के साथ विदा किया?
उत्तर - केकयराज ने भरत को सौ रथों और सेना के साथ विदा किया ।
प्रश्न- 6 भरत अयोध्या कितने दिनों में पहुँचे?
उत्तर - भरत अयोध्या आठ दिनों में पहुँचे ।
प्रश्न- 7 भरत को अयोध्या पहले जैसी क्यों नहीं लगी?
उत्तर - भरत को अयोध्या पहले जैसी इसलिए नहीं लगी क्योंकि चारों तरफ शांति थी ।
प्रश्न-8 भरत क्या सुनते ही शोक में डूब गए?
उत्तर- यह सुनते ही भरत शोक में डूब गए कि उनके पिता राजा दशरथ का निधन हो गया है ।
प्रश्न-9 राजा दशरथ के मुँह कौन से अंतिम तीन शब्द निकले?
उत्तर- राजा दशरथ के मुँह से अंतिम तीन शब्द निकले – हे राम! हे सीते! हे लक्ष्मण!
प्रश्न-10 सुध-बुध लौटने पर भरत कहाँ गए?
उत्तर- सुध-बुध लौटने पर भरत रानी कौशल्या के महल की ओर गए ।
प्रश्न-11 कौशल्या को किस बात का दुःख था?
उत्तर- कौशल्या को इस बात का दुःख था कि कैकेयी ने राज लेने का जो तरीका अपनाया वह अनुचित और निर्मम था ।
प्रश्न-12 भरत और शत्रुघ्न किस बात पर मंत्रणा कर रहे थे?
उत्तर - भरत और शत्रुघ्न राम को वापस लाने पर मंत्रणा कर रहे थे ।
प्रश्न-13 भरत को पहाड़ी पर किसकी छवि दिखी?
उत्तर- भरत को पहाड़ी पर राम की छवि दिखी ।
प्रश्न-14 भरत ने राम से क्या विनती की?
उत्तर - भरत ने राम से राजग्रहण का आग्रह किया और विनती कि की वो अयोध्या लौट चलें ।